







## संक्षिप्त खबरें

रोपण टावर के बेसमेंट  
में बने अवैध निर्माण  
को हटाने का आदेश

रांची। बुधवार को राज्यरक्षक बैडर्ड ने अपने फैसले में रोपण टावर के बेसमेंट में बने अवैध निर्माण को हटाने का आदेश जारी किया है। कोई ने कहा कि परिक्रमा के लिए छोड़ी गई नगर कालियां वायाचारिक गतिविधि के लिए नहीं किया जाता। इस संबंध में रोपण कालियां सुरीन द्वारा वायिका दाखिल की गई है। जिस पर बर्कटोर के न्यायालयी जस्टिस राजेश कुमार के कोर्ट ने खुलाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने मालियां को लिए थीं और उन्हें लगाए गए एक जगह विनियोग करने के लिए दिया। अदालत ने रांची नगर निगम को निर्देश दिया है कि बेसमेंट में बने अवैध निर्माण को अग्रणी एक सप्ताह में नहीं द्वारा राय लिया है, तो निगम इस पर कार्रवाई करे और रांची नगर निगम की ओर से अधिवता एलाइंज शाहदेव ने पक्ष द्वारा।

**मॉर्निंग गुप्त का ईद  
मिलन समारोह में एक  
दूसरे से गले मिल कर  
दी ईद की बधाई**

रांची : ग्रेन और मार्गीनी का संदेश के साथ ईद मिलन समारोह मॉर्निंग गुप्त द्वारा वर्ष का आयोजन किया। मॉर्निंग गुप्त के संस्कृत वायरल होने के बाद ब्राह्मण गुप्ता ने जाति की ईद आपसी सौर्ख्य और मार्गीनी का संदेश पेश करता है। इस नौके पर हाजी हलीमउद्दीन, जयप्रकाश गुप्ता पूर्व विधायक, विजय साह पूर्व पार्टी, समी आजान, अक्षील उर्ध्वराजन, ज्ञानप्रकाश नरसीम अख्तर, प्रपा, इच्छान कुमारी, गोदामन सराहन, नोशाह खान, प्रेमज, खुश, नेहाल अहमद, नफीस अख्तर, प्रिया, सुरुदामीन आजान, अद्वृत मालान, गोदामन खालिक, उजाज गवीं और सरफ़्यजन समेत कई लोग जौगांव थे।

रांची : ग्रेन और मार्गीनी का संदेश के साथ ईद मिलन समारोह मॉर्निंग गुप्त द्वारा वर्ष का आयोजन किया। मॉर्निंग गुप्त के संस्कृत वायरल होने के बाद ब्राह्मण गुप्ता ने जाति की ईद आपसी सौर्ख्य और मार्गीनी का संदेश पेश करता है। इस नौके पर हाजी हलीमउद्दीन, जयप्रकाश गुप्ता पूर्व विधायक, विजय साह पूर्व पार्टी, समी आजान, अक्षील उर्ध्वराजन, ज्ञानप्रकाश नरसीम अख्तर, प्रपा, इच्छान कुमारी, गोदामन सराहन, नोशाह खान, प्रेमज, खुश, नेहाल अहमद, नफीस अख्तर, प्रिया, सुरुदामीन आजान, अद्वृत मालान, गोदामन खालिक, उजाज गवीं और सरफ़्यजन समेत कई लोग जौगांव थे।

रांची : ग्रेन और मार्गीनी का संदेश के साथ ईद मिलन समारोह मॉर्निंग गुप्त द्वारा वर्ष का आयोजन किया। मॉर्निंग गुप्त के संस्कृत वायरल होने के बाद ब्राह्मण गुप्ता ने जाति की ईद आपसी सौर्ख्य और मार्गीनी का संदेश पेश करता है। इस नौके पर हाजी हलीमउद्दीन, जयप्रकाश गुप्ता पूर्व विधायक, विजय साह पूर्व पार्टी, समी आजान, अक्षील उर्ध्वराजन, ज्ञानप्रकाश नरसीम अख्तर, प्रपा, इच्छान कुमारी, गोदामन सराहन, नोशाह खान, प्रेमज, खुश, नेहाल अहमद, नफीस अख्तर, प्रिया, सुरुदामीन आजान, अद्वृत मालान, गोदामन खालिक, उजाज गवीं और सरफ़्यजन समेत कई लोग जौगांव थे।

# मुझे बदनाम करने की रची जा रही साजिश : बन्ना गुप्ता

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने  
सरयू राय के द्वारा किए गए  
टीव्यू पर कहा कि जिस  
महिला के बारे में वह कह रहे  
हैं और बता रहे हैं कि महिला  
कौन है, किस दुकान में काम  
करती है और कहां रहती है  
और कहां जाती है इससे स्पष्ट  
होता है कि महिलाओं के प्रति  
उनकी नजरिया बद्दी है

## प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची : कानेस के विधायक और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता का अस्लील वीडियो वायरल होने के बाद बन्ना गुप्ता ने पत्रकारों के समक्ष अपनी सफाई पेश की। उन्होंने कहा कि जो वीडियो वायरल हुआ है इसकी जांच होनी चाहिए। साथ ही वह भी जांच होनी चाहिए।

गोपाल राम गहमरी पर रेडियो खाँची  
90.4 एफएम ने लेखक से की बात

## प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय रांची के कान्यनीटी रेडियो स्टेशन, रेडियो खाँची 90.4 एफएम के शो रूबरू में दैनिक जागरण के बारिंग पत्रकार सह लेखक संजय कृष्ण का पत्रकार अराजे वैभवी ने लिया।

साक्षात्कार के दौरान संजय कृष्ण ने पत्रकारिता के क्षेत्र में अनेक मुख्य कारण लेखकी तथा इतिहास में अपनी रुचि को बताया। उन्होंने

वीडियो कैसे सर्वजनिक हुआ। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने सरयू राय के द्वारा किए गए टीव्यू पर कहा कि बाद बन्ना गुप्ता ने पत्रकारों के समक्ष अपनी सफाई पेश की। उन्होंने कहा कि जो वीडियो वायरल हुआ है इसकी जांच होनी चाहिए।

रांची में सुगम यातायात व्यवस्था  
करने के लिए डीसी ने की बैठक

प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय रांची के कान्यनीटी रेडियो स्टेशन, रेडियो खाँची 90.4 एफएम के शो रूबरू में दैनिक जागरण के बारिंग पत्रकार सह लेखक संजय कृष्ण का पत्रकार अराजे वैभवी ने लिया।

साक्षात्कार के दौरान संजय कृष्ण ने पत्रकारिता के क्षेत्र में अनेक मुख्य कारण लेखकी तथा इतिहास में अपनी रुचि को बताया। उन्होंने

के प्रति उनकी नजरिया क्या है। साथ ही उन्होंने भाजपा के रांची विधायक सीपी सिंह पर भी चुटकी लेते हुए कहा कि जब उन्हें फोन आया और उनसे अश्लील बातें हुईं तब उन्होंने तुरंत सफाई दिया। इसकी जांच होनी चाहिए।

वीडियो कैसे सर्वजनिक हुआ।

कहते हैं कि सीपी सिंह के साथ ही उन्होंने भाजपा के रांची विधायक सीपी सिंह पर भी चुटकी लेते हुए कहा कि जब उन्हें फोन आया और उनसे अश्लील बातें हुईं तब उन्होंने तुरंत सफाई दिया।

कहते हैं कि वीडियो के साथ ही उन्होंने भाजपा के रांची विधायक सीपी सिंह पर भी चुटकी लेते हुए कहा कि जब उन्हें फोन आया और उनसे अश्लील बातें हुईं तब उन्होंने तुरंत सफाई दिया।

कहते हैं कि वीडियो के साथ ही उन्होंने भाजपा के रांची विधायक सीपी सिंह पर भी चुटकी लेते हुए कहा कि जब उन्हें फोन आया और उनसे अश्लील बातें हुईं तब उन्होंने तुरंत सफाई दिया।

उपायुक्त, रांची राहुल कुमार

## नगर निगम कार्यकाल का विस्तार किया जाए : आशा लकड़ा

## प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची : नगर निकाय चुनाव को लेकर राज्य सरकार गंभीर नहीं है। ट्रिप्ल टेस्ट कराने के नाम पर राज्य सरकार निकाय चुनाव को टालने का प्रयास कर रही है। जब राज्य सरकार को ट्रिप्ल टेस्ट ही कराना था तो सरकार ने पूर्व में ही यह नियम बोला दिया। जब नगर निकाय के चयनित जनप्रतिनिधियों के कार्यकाल पूरा होने का समय आया तो राज्य सरकार ने अनन्य फानन में यह घोषणा कर दी कि अब ट्रिप्ल टेस्ट कराने के बाद ही नगर निकाय चुनाव की कार्यकाल के विस्तार किया जाए। जिनके कार्यकाल 28 अप्रैल 2023 को समाप्त हो रहा है। इसके बावजूद राज्य सरकार की यह दलील (ट्रिप्ल टेस्ट) नियम संगत नहीं है। राज्य सरकार की इस दलील के बावजूद चुनाव से पूर्व विभिन्न व्यापारियों को लूट हो गया। अतः राज्य सरकार से पूर्व विभिन्न व्यापारियों को लूट हो गया। एयर डॉक्टर डॉ आशा लकड़ा ने 06 अप्रैल 2023 को समाप्त हो रहा है। इसके बावजूद त्योहार से ज्यादा चुनाव से पूर्व विभिन्न व्यापारियों को लूट हो गया। एयर डॉक्टर डॉ आशा लकड़ा की वीडियो की घोषणा की जाएगी।



जब तक नगर निकायों के चुनाव की घोषणा नहीं हो जाती, टेब तक रांची समेत उन सभी नगर निकायों के कार्यकाल का सम्मानवाला राज्य सरकार की विस्तार किया जाए। जिनके कार्यकाल 28 अप्रैल 2023 को समाप्त हो रहा है। इसके बावजूद राज्य सरकार की यह दलील (ट्रिप्ल टेस्ट) नियम संगत नहीं है। राज्य सरकार की इस दलील से विभिन्न व्यापारियों को लूट हो गया। विभिन्न व्यापारियों में अधिकारियों को लूट हो गया। अतः राज्य सरकार से पूर्व विभिन्न व्यापारियों को लूट हो गया। एयर डॉक्टर डॉ आशा लकड़ा है। इसके बावजूद चुनाव से पूर्व विभिन्न व्यापारियों को लूट हो गया। एयर डॉक्टर डॉ आशा लकड़ा की वीडियो की घोषणा की जाएगी।

बन्ना गुप्ता ने झारखंड को  
किया शर्मशार : रवि पीटर

प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची : राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के बाद कई दैरेक्ट कार्रवाई शहरी शहरी शहरी की मांग कर रहे हैं। झारखंड उत्तरालन मोर्चा के राजीव अध्यक्ष रवि पीटर के नेतृत्व में मांग की जाएगी। वीडियो वायरल होने के बाद बन्ना गुप्ता की एक व्यापारियों को लूट हो गया। एयर डॉक्टर डॉ आशा लकड़ा ने एक व्यापारियों को लूट हो गया। एयर डॉक्टर डॉ आशा लकड़ा की वीडियो की घोषणा की जाएगी।

मांग किया कि अविलंब मंत्री बन्ना गुप्ता को बर्खास्त करें, अन्यथा मोर्चा वृहत् अदोल





संपादकीय

ਪੰਜਾਬ ਨਹੀਂ ਬਣੇਗਾ ‘ਖਾਲਿਸ਼ਟਾਨ’

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह अब जेल मे है। यहीं उसकी नियति थी। गिरफतारी से पहले 35 लगातार दिनों तक वह पंजाब के बाहर हरियाणा, उत्तराखण्ड, उप्र और दिल्ली के ऊरुद्धारों में छिपता रहा, लेकिन उसका नेटवर्क, संगठन छिन-भिन्न हो रहा था। सभी खास साथी जेल के भीतर पहुंच चुके थे। अमृतपाल समेत अधिकतर साथियों को 'रासुका' में कैद किया गया है। 'देशद्रोह' और 'शांति-भंग करने' आदि के कानून भी लगाए गए हैं। कमोबेश एक साल तक तो उनकी जमानत की सुनावाई तक नहीं होगी। इन कथित देशद्रोहियों की अंतिम परिणिति क्या होगी, अभी से अनुमान मुश्किल है, लेकिन वे अपने जीवन के 'नरक' में पहुंच चुके हैं, वह हत त है। अमृतपाल की धरपकड़ मोगा जिले के ऐसे सांस्कृतिक समाजों के बाहर दर्दी। यह जातियां तात्त्विक रूप से अंतर्भुक्त होती हैं।

‘देशद्राह’ आर ‘शात भग करने’ आदि के कानून भी लगाए गए हैं। कमोबेश एक साल तक तो उनकी जमानत की सुनवाई तक नहीं होगी। इन कथित देशद्रोहियों की अंतिम परिणिति क्या होगी, अभी से अनुमान मुश्किल है, लेकिन वे अपने जीवन के ‘नरक’ में पहुंच चुके हैं, यह तय है। अमृतपाल की धरपकड़ मोगा जिले के रोडे गांव के गुरुद्वारे के बाहर हुई। यह खालिस्तान आंदोलन के स्वयंभू रहे जरनैल सिंह भिंडरावाले का पुश्टनी गांव है। यहाँ अमृतपाल ने खुद को ‘वारिस पंजाब दे’ संगठन का प्रमुख धोषित कराया था और एक बड़े जन-समूह को संबोधित भी किया था। गिरफ्तारी से पहले भी अमृतपाल ने गुरुद्वारे में संगठ को संबोधित किया था, लेकिन उसने खुद को ‘योद्धा’ के तौर पर पेश किया था। बहरहाल भिंडरावाले की ‘छाया’ होने की उसकी अरदास जरूर पूरी हुई, लेकिन गिरफ्तारी के दौरान उसके समर्थन में न तो एक आवाज गूंजी और न ही कोई समर्थक मौजूद रहा। अमृतपाल पूरी तरह अकेला था। उसने जो हथियारबंद जत्थे तैयार किए थे, पाकिस्तान से जो फंडिंग और हथियार हासिल किए थे और खालिस्तान के नाम पर जिस जन-समूह को जोड़ने की साजिशें रच रहा था, वे सभी गायब रहे। अमृतपाल खाली हाथ था। पंजाब बिल्कुल शांत रहा। किसी भी कोने से आंदोलन या विरोध का एक भी स्वर नहीं उभरा। पत्नी को लंदन जाने से रोक दिया गया। अब वह अमृतपाल के मां-बाप के साथ है। एजेंसियां इतनी जल्दी मुक्त नहीं करेगी। बेहतर है कि खालिस्तान समर्थकों और खाड़कओं को असम की डिब्बूगढ़ जेल में कैद किया गया है, क्योंकि खालिस्तानी साजिशों के कुछ इनपुट खुफिया एजेंसियों को मिल रहे हैं। वे पंजाब को बिल्कुल शांत, स्थिर, खुशहाल देखने की पक्षधर हैं। अब आईबी, रो आदि खुफिया एजेंसियों की टीमें डिब्बूगढ़ जेल में ही अमृतपाल से पूछताछ करेंगी और उसके नापाक गठजोड़ और मंसूबों के खुलासे जानने की कोशिश करेंगी। दरअसल अमृतपाल दुर्वई में द्रक ड्राइवर था। उसने ‘वारिस पंजाब दे’ के जरिए खालिस्तान का आंदोलन दोबारा उभारने का मुगालता पाल लिया था, लेकिन आज उसे एहसास हो गया

लिहाजा कि पजाब हिंदुस्तान का आधन्द हिस्सा है। सिख भारत के लिए मरन-मारने को तैयार हैं। इस देश में उसके रोज़ी-रोटी और बेटी के संबंध हैं, लिहाजा खालिस्तान की कोई गुंजाइश नहीं है। सिखों का ऐसा भद्रा और योग्येवाज का इतिहास नहीं रहा है। सिखों के प्रथम गुरु नानकदेव जी हमारे भक्तिकालीन संत शिरोमणि, कवि, विचारक कबीरदास के समकालीन थे। आज अमृतपाल की भीत ही मोहभंग की स्थितियां पैदा हो रही होंगी कि आखिर उसने यह खंडित, अलगाववादी रास्ता क्यों चुना? अमृतपाल विदेशी वंदे और कट्टरपंथी सोच के नौजवानों के जरिए आनंदपुर खालिस फोर्स बनाने लगा था। भिंडरावाला दमदमी टकसाल का प्रमुख था, लिहाजा पंजाब के एक वर्ग में लोकप्रिय थी था, पर अमृतपाल की स्थिति और स्वीकार्यांत ऐसी नहीं थी, लिहाजा बड़ी खामोशी के साथ उसे जेल तक भेजा जा सका है।

અણૂદા ફલાદા

परोपकार मानव का सबसे बड़ा धर्म है। स्वार्थ के दायरे से निकलकर व्यक्ति जब दूसरों की भलाई के विषय में सोचता है, दूसरों के लिये कार्य करता है। इसी को परोपकार कहते हैं। भगवान् सबसे बड़ा परोपकारी है जिसने हमारे कल्याण के लिये संसार का निर्माण किया। प्रकृति का प्रत्येक अंश परोपकार की शक्षा देता प्रतीत होता है। सूर्य और चांद हमें जीवन प्रकाश देते हैं। नदियाँ अपने जल से हमारी प्यास बुझती हैं। गाय भैंस हमारे लिये दूध देती है। बादल धरती के लिये झुम कर बरसता है। फूल अपनी सुगंध से दूसरों का जीवन सुगन्धित करते हैं। परोपकार देवी गुण है। इसनां स्वभाव से परोपकारी है। किन्तु स्वार्थ और संकोषण सोच ने आज सम्पूर्ण मानव जाति को अपने में ही केन्द्रित कर दिया है। मानव अपने और अपनों के वक्तव्य कर में उलझ कर आत्मकेन्द्रित हो गया है। उसकी उन्नति रुक गयी है। अगर व्यक्ति अपने साथ साथ दूसरों के विषय में भी सोचे तो दुनिया की सभी बुराइयाँ, लालच, ईर्ष्या, स्वार्थ और वैर लुप्त हो जायें। मर्हिंद धर्मीच न राजा इन्द्र के कहने पर देवताओं की रुग्ण के लिये अपने प्राणों की आदि तेरी।

## बोधकथा

भगवान बचायेगा।

एक समय की बात है किसी गाँव में एक साधु रहता था, वह भगवान का बहुत बड़ा भक्त था और निरंतर एक पेड़ के नीचे बैठ कर तपस्या किया करता था। उसका भगवान पर अटूट विश्वास था और गाँव वाले भी उसकी इज्जत करते थे। एक बार गाँव में बहुत भीषण बाढ़ आ गई। चारों तरफ पानी ही पानी दिखाई देने लगा। सभी लोग अपनी जान बचाने के लिये ऊँचे स्थानों की तरफ बढ़ने लगे। जब लोगों ने देखा कि साधु महाराज अभी भी पेड़ के नीचे बैठे भगवान का नाम जप रहे हैं तो उन्हें यह जगह छोड़ने की सलाह दी। पर साधु ने कहा- तुम लोग अपनी जान बचाओ मुझे तो मेरा भगवान बचायेगा। धीरे-धीरे पानी का स्तर बढ़ता गया और पानी साधु के कमर तक आ पहुंचा, इतने में वहां से एक नाव गुजरी। मललाह ने कहा, "हे साधु महाराज ! आप इस नाव पर सवार हो जाइए। मैं आपको सुरक्षित स्थान तक पहुंचा दूंगा।" "नहीं, मुझे तुम्हारी मदद की आवश्यकता नहीं है, मुझे तो मेरा भगवान बचायेगा।", साधु ने उत्तर दिया। नाव वाला चुप-चाप वहां से चला गया। कुछ देर बाद बाढ़ और प्रचंड हो गयी, साधु ने पेड़ पर चढ़ाना उचित समझा और वहां बैठ कर ईश्वर को याद करने लगा। तभी अचानक उन्हें गड़ग़ाहट की आवाज सुनाई दी। एक हीलिकोप्टर उनकी मदद के लिये आ पहुंचा, बचाव दल ने एक रस्सी लटकाई और साधु को उसे जोर से पकड़ने का आग्रह किया। पर साधु फिर बोला, "मैं इसे नहीं पकड़ूंगा, मुझे तो मेरा भगवान बचायेगा।" उनकी हठ के आगे बचाव दल भी उन्हें लिये बगैर वहां से चला गया। कुछ ही देर में पेड़

पिछले वर्ष 683.7 अरब डालर की तुलना में, इस वर्ष 767.0 अरब डालर रह सकते हैं।

# दो ट्रिलियन निर्यात की बड़ी छलांग

**मार्च** 31, 2023 का घोषित विदेश व्यापार नात अनुसार वर्ष 2030 तक 2000 अरब डालर के नियर्ता का लक्ष्य रखा गया है जिसमें वस्तुओं और सेवाओं दोनों के नियर्ता शामिल हैं। देश में अभी तक नियर्ताओं द्वालमुल प्रदर्शन के चलते, कई विशेषज्ञ इस बड़े लक्ष्य बारे में शंका व्यक्त कर रहे हैं। लेकिन साथ ही साथ देश विशेषज्ञों का एक बड़ा वर्ग इस लक्ष्य को असाध्य नहीं मान रहा। बल्कि कुछ लोगों का तो यह भी मानना है कि देश इसकी ही ज्यादा प्राप्त कर सकता है। दोनों पक्षों के क्या तर्क हैं? इसे समझना होगा। आज से दस साल पहले 2012-13 भारत के वस्तुओं और सेवाओं के नियर्त मात्र 452.3 अरब डालर के ही थे। 2012-13 के बाद हमारे आयात तो इन गति से बढ़ते गए, लेकिन नियर्तों के बढ़ने की गति धीरे रही। 2021-22 में हमारे वस्तुओं और सेवाओं के नियर्त हालांकि 683.7 अरब डालर तक पहुंच गए थे, लेकिन आयात 766 अरब डालर पहुंच गए। लेकिन हालांकि आयात इस वर्ष 882 अरब डालर तक पहुंच सकते हैं। लेकिन वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि नियर्त भी पिछले वर्ष 683.7 अरब डालर की तुलना में, इस वर्ष 767.0 अरब डालर रह सकते हैं। यह सही है कि पिछले वर्षों में वस्तुओं और सेवाओं के नियर्त बहुत तेजी से नहीं बढ़े। लेकिन पिछले साल वस्तुओं और सेवाओं के नियर्त 11.3 प्रतिशत की दर से बढ़ गए। यानी कुछ समय पहले 2030 में नियर्तों का 1000 अरब डालर का लक्ष्य भी अभी लग रहा था, 2023 में 2000 अरब डालर का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु देश को नियर्तों के बढ़ने की गति को मात्र 14.8 प्रतिशत ही रखना होगा, जो कि पिछले वर्ष में नियर्तों की ग्रोथ से बहुत ज्यादा नहीं है। आज जब भारत समेत दुनिया सभी मूल्क बढ़ती महंगाई से त्रस्त हैं, भारत में महंगाई की ग्रोथ दुनिया से अभी भी कम है। भारत लगातार दुनिया सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। बढ़ती ग्रोथ का असर जीएसटी की प्राप्तियों में दिखाई दे रहा है। हालांकि जीएसटी प्राप्तियों में बड़ा हिस्सा आयात शुल्कों का है, लेकिन मध्यवर्ती वस्तुओं के आयातों पर मूल्य संवद्धन जीएसटी में वृद्धि का कारण बन रहा है। यानी ग्रोथ हो महंगाई पर अंकुश, सभी देश की बढ़ती नियर्त संभावना-



की ओर इंगित कर रहे हैं। यह भी सही है कि दुनिया में चल रही मंदी और महागाई के कारण घटती क्रय शक्ति के चलते निर्यातों में वृद्धि करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। उसके बावजूद भारत के सेवाओं और वस्तुओं के निर्यातों में हो रही वृद्धि विशेष महत्व रखती है। देखना होगा कि भारत के निर्यातों में कहां ज्यादा वृद्धि हो रही है। खाद्य पदार्थों के निर्यात में वृद्धि का कुल निर्यातों में विशेष योगदान है। 2021-22 में 50 अरब डालर से अधिक खाद्य निर्यात किए गए। 2022-23 के आंकड़े आना अभी बाकी है, लेकिन अभी भी खाद्य निर्यातों में कुल निर्यातों में खाद्य योगदान बना हुआ है। निर्यातों में वृद्धि में प्रतिरक्षा निर्यातों का बड़ा योगदान दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि अभी तक भारत प्रतिरक्षा के क्षेत्र में आयातों पर ही अधिक निर्भर रहा है। लेकिन प्रतिरक्षा उद्योग में हुई प्रगति और विशेष तौर पर निजी क्षेत्र के प्रतिरक्षा उद्योग में बढ़ते योगदान के चलते देश न केवल प्रतिरक्षा में उपकरणों में आत्मनिर्भर हुआ है, बल्कि इस उद्योग का निर्यातों में भी योगदान बढ़ा है। एक ओर जहां देश अपनी प्रतिरक्षा जरूरतों का 70 प्रतिशत आयातों से प्राप्त करता था, अब मात्र 32 प्रतिशत उपकरणों के लिए ही आयातों पर निर्भर करता है और 68 प्रतिशत प्रतिरक्षा खरीद भारत से हो रही है। पिछले 6 वर्षों में प्रतिरक्षा निर्यातों में 10 गुण से ज्यादा वृद्धि, भविष्य में इस क्षेत्र के निर्यातों की संभावना को इंगित करती है। गौरतलब है कि 2016-17 में प्रतिरक्षा निर्यात मात्र 1521 करोड़ रुपए के थे, जो 2022-23 में बढ़कर 15920 करोड़ रुपए तक पहुंच चुके हैं। कहा जा सकता है कि भारत का प्रतिरक्षा उद्योग एक और विदेशी मुद्रा बात यह है कि इन निर्यातों में आधे से ज्यादा हिस्से सॉफ्टवेयर निर्यातों का है। इसके अलावा देश बड़ी मात्रा में बीपीओ, एलपीओ समेत कई प्रकार की व्यावसायिक सेवाओं का भी निर्यात कर रहा है। देश की सॉफ्टवेयर में प्रगति ने चीन समेत अन्य मुल्कों को भी पीछे छोड़ दिया है। दुनिया के कई मुल्क भारत से आयात करना चाहते थे तो वे भी वे पूर्व में डॉलरों के अभाव के चलते आयात नहीं कर पाते थे। लेकिन हाल ही में भारत सरकार ने एक पहल की ओर भारतीय रिजर्व बैंक ने एक परिपत्र के माध्यम से आयात और निर्यात के लिए अंतरराष्ट्रीय भुगतान निपटारों को रुपयों में करने की अनुमति प्रदान कर दी। इसके बाद दिसंबर में पहली बार रूस के साथ व्यापार का भुगतान रुपयों में करने की शुरुआत हो चुकी है। अभी तक भारत सरकार के प्रयासों से इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, जर्मनी, मलेशिया, इजराइल, रूस और युनाइटेड अरब अमीरात समेत 19 देशों के बैंकों के 'स्पेशल वोस्ट्रो रूपी एकाउंट' खोलकर रुपयों में भुगतान निपटारे करने की अनुमति प्रदान की जा चुकी है। ऐसा माना जा रहा है कि रुपयों में भुगतान होने के कारण जहां पहले आयात के लिए डॉलर, पाउंड, ये न इत्यादि का उपयोग होता था, वे भुगतान रुपयों में होने लगेंगे। इन 19 मुल्कों के साथ अभी भी काफी बड़ी मात्रा में आयात और निर्यात होता है। रुपयों में भुगतान के चलते इन मुल्कों के पास भारतीय रुपयों का स्टॉक बढ़ेगा और वे भारत से ज्यादा सामान आयात कर सकेंगे। पूर्व में भारतीय साजो-सामान दुनिया के दूसरे मुल्कों की तुलना में महंगा माना जाता था, उसका कारण था हमारी इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी।

# भारताय सगात परपरा एव सुरा के राजनीति शास्त्रीय संगीत की महान संगीत धोती-कर्ते के आकर्षक परिधान में ठहरी और गहरी बात

## गीतज्ञ

परम्परा में अनेकों प्रेष्ठ तथा धूरंधर संगीतज्ञों ने देश की कला एवं संस्कृति को विश्व पटल पर स्थापित करने में अपनी भूमिका निर्भाई है। भारतीय संगीत की इस महान धराना परम्परा को विभिन्न गायकों एवं बादाकों ने अपनी कला साधना एवं तपस्या से भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा है। वीसवीं शताब्दी में कुछ ऐसे ही महान गायक उत्तराहिंडे जिनमें हम संगीत समाट तानसेन जैसे संगीतज्ञ का अक्स रखने की परिकल्पना करते हैं। इन गायकों में अद्भुत करीम खान, सराई गंधर्व, गंग बाई हंगल, फैयाज खान, अमीर खां साहब, डीवी पतुस्कर, केरराबाई केरकर, मोगुबाई कुर्डीकर, दिरा बाई बड़ोदेकर, विनायक गाव पटवर्धन, नारायण गाव यास, पण्डित ओमकार नाथ ठाकुर, पण्डित दिलाप चन्द्र बेदी, कुमार गंधर्व, मल्लिकार्जुन मंसूर, पण्डित भीमसेन जोशी, पण्डित जसराज जैसे बेंजोड़ गायक हुए हैं। इसी के साथ बाबा अलाउद्दीन खां, उत्साद विस्मिललाल खान, पण्डित रवि शंकर, उत्साद विलायत खां, अल्ला रक्खा, अली अकबर खां, पण्डित शेव कुमार, हरि प्रसाद चौरसिया, जाकिर हुसैन तथा अमजद अली खां जैसे महान संगीतज्ञों ने भारतीय संगीत परम्परा को विश्व भर में अलेकित किया। इसी कड़ी में बनारस धराने के बेंजोड़, विख्यात एवं अद्वितीय गायक पंडित राजन मिश्रा थे, जेनका निधन दो वर्ष पूर्व 25 अप्रैल, 2021 को रविवार के दिन हुआ। संगीत के बनारस धराने को बुलंदियों तक पहुंचाने वाले शास्त्रीय गायकन के पुरोधा पंडित राजन मिश्रा के देहात की खबर नुनकर पूरे देश के शास्त्रीय संगीत प्रेमी स्तब्ध रह गए। पंडित राजन मिश्रा हृदय की खराबी, उस पर वे कोरोना वायरस संक्रमण से हार गए। नाद ब्रह्म का यथा महान साधक, संगीतज्ञ एवं संस्कृती पुत्र सदा-सदा के लिए संगीत जगत सेविदा होकर ब्रह्म लोक में लीन हो गया। इसके साथ ही राजन-साजन मिश्रा नाम से शास्त्रीय संगीत की विश्व विख्यात जोड़ी टूट गई। नगभग 400 वर्षों की बनारस धराने में शास्त्रीय संगीत की गतिवारिक परंपरा को आगे बढ़ाने वाले इन दोनों भाइयों को बहुत ही आदर एवं सम्मान की दृष्टि से देखा जाता रहा है। पंडित राजन को उनके दादा पंडित बड़े राम जी मिश्रा तथा पिता पंडित हनुमान मिश्रा से संसीत शिक्षा मिली थी। पंडित राजन का वेवाह पंडित दामोदर की पुत्री श्रीमती बीना से हुआ। वर्तमान में राजन मिश्रा के पुत्र रितेश मिश्रा एवं रजनीश मिश्रा भी शास्त्रीय संगीत गायक के रूप में अपने आप को प्रतिष्ठित एवं स्थापित कर चुके हैं। पंडित राजन मिश्रा के गायन का अंदाज, भाव-पंगिमाएं, स्वर लगाव, लयकारी, बहलावे, स्पाट तान, गमक, बंदिशों को प्रस्तुत करने का तरीका, क्या कहने, संगीत प्रेमियों को हृदय में छू लेता था। पंडित राजन मिश्रा को अपने धराने की परम्परा एवं संगीतज्ञों पर बहुत ही गर्व था। अपने संगीत के कार्यक्रमों में वे बनारस धराने की अनेकों गायों में तथा विभिन्न तालों में नेबद्ध रचनाओं को बड़े ही शौक से सुनाते थे। यह जोड़ी मंच पर बैठी इस तरह प्रतीत होती थी मानो गंधर्व लोक से कोई देव, इष्टि या फिर गंधर्व गायक युगल गायन की वर्षा कर रहा हो।

विद्वान् एवं विशाल व्यक्तित्व, संगीत और ज्ञान का अथात् सागर, संगीत सागर के मनन, चिंतन एवं मंथन में निरंतर दूहुए एक आदर्श उदाहरणीय एवं अनुकरणीय संगीतज्ञ की जोड़ी ने एक सच्चे संगीतज्ञ को परिभाषित किया है। पंडित राजन मिश्रा ज्ञान, शास्त्र और संगीत के ठहरे हुए समृद्ध थे। धीरे गंभीर, शांत व्यक्तित्व के स्वामी पंडित राजन अपने जोड़ीदार पंडित साजन मिश्रा के लिए बड़े भाई के साथ-साथ एक गुरु पिता तुल्य व्यक्तित्व एवं मार्गदर्शक थे। अपनी प्रस्तुतियों में अनेकों बार साजन मिश्रा मंच पर बैठे हुए अपने बड़े भाई पंडित राजन का गायन सुनते रहते तथा सीखते रहते तथा अपने आप को एक शिष्य की तरह देखते। सन् 1951 में जन्मे राजन मिश्रा को विरासत से ही बनारस धराने की विशाल संगीत परंपरा प्राप्त हुई। इस संगीतज्ञ जोड़ी ने वर्ष 1978 में श्रीलंका में अपने पहला संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसके बाद उन्होंने जर्मनी, फ्रांस, रूस, स्विटजरलैंड, ऑस्ट्रिया, अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, सिंगापुर, कतर, बांग्लादेश और दुनिया वे कई महानगरों में अपनी शास्त्रीय गायकी से संगीत प्रेमियों को रिक्षाया। ख्याल गायन के साथ-साथ पंडित राजन तराना, टप्पा, उमरी तथा भजन गायकी में भी बेमिसाल थे। आकाशवाणी, दूरदर्शन तथा टीवी के लगभग सभी कार्यक्रमों में इस गायक युगल का गायन होता रहता था। प्रत्येक प्रस्तुति वे पश्चात श्रोताओं की इनसे भजनों की फरमाइश जरूर रहती पंडित राजन मिश्रा को राग अहीर भैरव, विलासखानी, तोड़ी भैरव, भैरवी, गुजरी तोड़ी, वृदंदावनी सारंग, पूरिया, मारवा, श्री दरबारी कान्हडा, मालकोस आदि अनेक रागों पर पूर्ण अधिकार था। 'अब कृपा करो श्री राम दुख से हमें उबरो', 'जय-जय दुर्गा माता भवानी', 'साधो ऐसा ही गूर भावे', 'चल मन वृदंदावन की ओर', 'अब तो शाम नाम लो लागी', 'धन्मां भाग सवा का अवसर पाया', 'जगत में झूटी देखी प्रीत' जैसे भजनों को संगीत जगत कभी नहीं भूल सकता। शास्त्रीय संगीत गायन में ख्याल, टप्पा तथा भजन की अनेकों एल्बम संगीत जगत को दी। भारत में लगभग हर शहर में उन्होंने शास्त्रीय संगीत के श्रोताओं को अपनी प्रस्तुतियों से रिक्षाया। वे करोड़ संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज करते थे। पंडित राजन-साजन मिश्रा को सन् 1971 में प्रधानमंत्री द्वारा संस्कृति पुरस्कार 1995 में राष्ट्रीय सम्मान, 1998 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, वर्ष 2007 में पदम विभूषण तथा 2011-12 में तानसेन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। पंडित राजन मिश्रा का संगीत जगत से असमय विदा हो जाना शास्त्रीय संगीत प्रेमियों के लिए बहुत बड़ा आशात है। पंडित राजन मिश्रा जैसे उत्कृष्ट कलाकार तथा बेहतरीन इनसान मिलना आसान नहीं है। बहुत ही दुःख की बात है कि दुनिया का यह विवाह शास्त्रीय संगीत गायक, ख़बूसूरत चेहरा एवं बेहतरीन इनसान आज हमारे बीच में नहीं है। संगीत जगत में इस सूर्य का डूबना बहुत ही दुखद है। संगीत में उनका योगदान अतुलनीय है। पंडित राजन मिश्रा को कभी भूलाया नहीं जा सकता। वे सदियों तक संगीत प्रेमियों के हृदय में अमर रहेंगे।

१०८

**संघर्ष प्रायोगिकरण न हो गए**

राष्ट्राय रीवा से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेश को अनेक सौगत तो दी हीं, उसके साथ ही ग्राम विकास के प्रति अपनी चिंताएं एवं प्रतिबद्धता भी प्रकट की। प्रधानमंत्री मोदी ने यह ठीक ही कहा कि हमारी शुरुआती सरकारों ने विकास की नीतियों में गाँवों के प्राथमिकता में नहीं रखा। उन्होंने शहर केंद्रित विकास की योजनाएँ बनायीं, जिसके कारण भारत की समृद्धि के आधार गाँव पिछड़ते चले गए और आखिर में ग्रामवासी भी शहरों की ओर पलायन के लिए मजबूर हुए। महात्मा गांधी भारत को भली प्रकार समझाते थे। भारत के संबंध में अपनी समझ को और अधिक गहरा बनाने के लिए, उन्होंने संपूर्ण भारत में प्रवास किया। भारत को समीप से देखने के बाद महात्मा गांधी ने कहा था कि “भारत गाँवों में बसता है”。 गाँव का विकास महात्मा गांधी के चिंतन में शामिल था। असल में स्वतंत्रता के बाद बर्ने सरकार ने ग्राम विकास को दरकिनार करके महात्मा गांधी के विचारों को ही अनदेखा करने का काम किया। हिन्दू स्वराज्य में महात्मा गांधी ने जिन बातों को कहा था, उन

पर चलने का काम हमारी पूर्ववर्ती सरकारों ने नहीं किया। यही कारण है कि अब तक गाँव मूलभूत सुविधाएँ एवं आवश्यकताओं के लिए तरसते रहे। भारत में जब अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपानीत गठबंधन की सरकार बनी, तब पहली बार प्रत्येक गाँव तक पक्की सड़क पहुँची। पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी ने अपने नाम से नहीं अपितु 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' नाम से इस महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत की। इसी तरह जब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी तब स्वतंत्रता के वर्षों बाद प्रत्येक गाँव तक बिजली एवं नलजल की सुविधा पहुँची। इससे यह बात साफ होती है कि भाजपा सरकारों की प्राथमिकता में ग्राम विकास होता है। गाँव, खेती-किसानी और किसानों की खुशहाली के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है। मध्यप्रदेश में ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में किसानों के हितों को देखते हुए अनेक प्रधानमंत्री मोदी ने यह ठीक ही कहा कि हमारी शुरूआती सरकारों ने विकास की नीतियों में गाँवों को प्राथमिकता में नहीं रखा। उन्होंने शहर केंद्रित विकास की योजनाएँ बनायीं, जिसके कारण भारत की समृद्धि के आधार गाँव पिछड़ते चले गए और आखिर में ग्रामवासी भी शहरों की ओर पलायन के लिए मजबूर हुए। महात्मा गांधी भारत को भली प्रकार समझते थे। भारत के संबंध में अपनी समझ को और अधिक गहरा बनाने के लिए उन्होंने संपूर्ण भारत में प्रवास किया। भारत को समीप से देखने के बाद महात्मा गांधी ने कहा था कि "भारत गाँवों में बसता है।" गाँव का विकास महात्मा गांधी के चिंतन में शामिल था। असल में स्वतंत्रता के बाद बनी सरकार ने ग्राम विकास को दरकिनार करके महात्मा गांधी के विचार को ही अनदेखा करने का काम किया। यही कारण है कि अब तक गाँव मूलभूत सुविधाएँ एवं

महत्वपूर्ण योजनाएँ शुरू की गईं। कर्ज के बोझ से मुक्ति दिलाने के लिए शिवराज सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड जैसी अभृतपूर्व योजना शुरू की, जिसमें किसानों को व्याज मुक्त त्रश मिल जाता है। इसके साथ ही जब प्रधानमंत्री मोदी ने छोटे किसानों के हाथ मजबूत करने के लिए किसान सम्मान निधि की शुरूआत की, तब मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने उसमें अपनी ओर से चार हजार की राशि और जोड़काल किसान हितौषि निर्णय लिया। ये योजनाएँ बानी भर हैं कि भाजपा सरकारों ने ग्राम विकास को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है। इसके अतिरिक्त भी प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से स्वच्छता अभियान वे अंतर्गत गांवों में प्रत्येक घर में शौचालय का निर्माण, जिनके पास आवास नहीं थे, उन्हें घर की सौगत, फसल वीमा योजना, पंचायतों का निर्माण इत्यादि उल्लेखनीय काम हुए हैं। सभी सरकारों को यह समझना होगा कि आज भी देश की बहुत बड़ी जनसंख्या गांवों में रहती है, देश की अर्थव्यवस्था में गांवों का सबसे बड़ा हिस्सा है, इसलिए सर्व मायनों में भारत को मजबूत बनाना है तब अपने इन गांवों का सशक्त







श्री श्री 1008 श्री राधा कृष्ण प्राण प्रतिष्ठा सह श्री मद भगवत महा पुराण कथा ज्ञान यज्ञ की शुरुआत  
तिसरी/गिरिहि(प्रभात मंत्र संवाददाता) : 9 दिवसीय श्री श्री 1008 श्री



राधा कृष्ण प्राण प्रतिष्ठा सह श्री मद भगवत महा पुराण कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर तिसरी प्रखड अंतर्गत जयमामा माता मंदिर प्रांगण से गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में 3100 माहिनों वाले युवतियों ने भाग लिया। वहीं कलश यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा जयकरे लाए गए। कलश यात्रा जयमामा माता मंदिर से शशीलोह ते हुए नावांडी स्थित नदी तट पर पहुंचा, जहां आचार्य सुधारे के नेतृत्व में सभी कलशों में पूजा के उपर्युक्त पवित्र जल भवाया गया। इस दौरान मुख्य यज्ञमान नांदेर वर्ष व प्रकाश यात्रा में जल भरने के पश्चात कलश यात्रा नावांडी, परीलों होते हुए तुरु वापस जायमामा मंदिर पहुंचा, जहां यज्ञ आचार्यों के नेतृत्व में कलश स्थापित कराया गया। इस दौरान भक्तों द्वारा तत्त्व धूप में 5 किलोमीटर की पैदल यात्रा की गई, वहीं द्रावलुओं द्वारा लगाए जा रहे जय श्री राम, राधे राधे, जय जयमामा माता और नारों से पूर्ण क्षेत्र उंजायमान हो रहा। बात दें कलश यात्रा के साथ श्री श्री राधा कृष्ण प्राण प्रतिष्ठा सह श्री मद भगवत महा पुराण कथा ज्ञान यज्ञ की शुरुआत हो गई है। आज से 9 दिनों तक सुश्री कृष्णप्रिया भवायज जी की सानिध्य में भक्तियां प्रवचन करें। वहीं 3 मई को यज्ञ कार्यक्रमों की समाप्ति के पश्चात 4 मई को हवन आहुति व भंडारा का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही उक्त संख्या को भोजपुरी कलाकार गोलु राज व अक्षरा सिंह द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुति की जायेगी। कलश यात्रा का नेतृत्व समाजसेवी निरंजन राज के द्वारा किया गया।

## ब्राह्मण कल्याण मंच ने प्रतिभाशाली भैया

### बहन को किया सम्मानित

महाद्वादाता : ब्राह्मण कल्याण मंच एवं गिरिहि



लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि ने सरस्वती विद्या मंदिर, सिनीडीह विद्यालय प्रधानाचार्य सुलीन कुमार सिंह के अध्यक्षता में प्रतिभाशाली भैया-बहन को सम्मानित किया। जिन्होंने विद्या भारती ने अखिल भारतीय स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर बदना कुमारी ने विद्यालय का नाम रखैन किया। भैया ऐसिक चंद्र एवं बहन अर्थ वस्त्र को भी सम्मानित किया। जिन्होंने युविका 2023 में चार्यनित होकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र (इसरो) में युवा वैज्ञानिक के रूप में प्रशिक्षण लेने के लिए अपने योग्य सवित किया। यह दोनों भैया-बहन न केवल इस विद्यालय के लिए एवं अपने आपके योग्य सवित किया। यह दोनों भैया-बहन न केवल इस विद्यालय के लिए एवं आदर्श के रूप में प्रतिस्थापित हुए हैं।

## सङ्कट दुर्घटना से व्यक्ति धायल

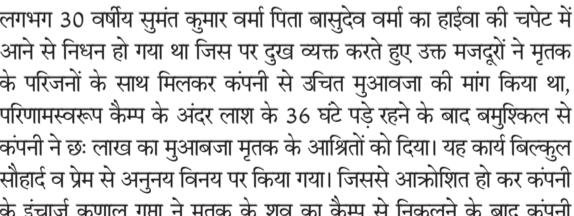
पूर्णी दुंडी(प्रभात मंत्र संवाददाता) : पूर्णी दुंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत गोविंदपुर साहिंगंज मुख्य मार्ग बलार्थी थोड़े के पास सङ्कट दुर्घटना में एक व्यक्ति गोविंदपुर स्थान पर धायल कर बलार्थी के नाम रखैन किया। भैया ऐसिक चंद्र एवं बहन अर्थ वस्त्र को भी सम्मानित किया। जिन्होंने युविका 2023 में चार्यनित होकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र (इसरो) में युवा वैज्ञानिक के रूप में प्रशिक्षण लेने के लिए अपने आपके योग्य सवित किया। यह दोनों भैया-बहन न केवल इस विद्यालय के लिए एवं आदर्श के रूप में प्रतिस्थापित हुए हैं।

## मृतक के प्रति सहानुभूति जताना पड़ा भारी

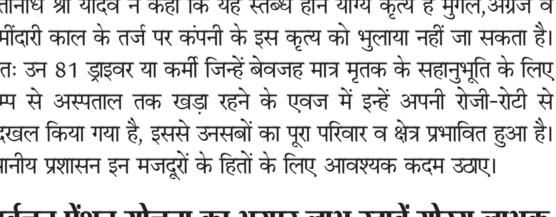
गिरिहि(प्रभात मंत्र संवाददाता) : राम कृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत काम करने वाले गिर डी ह जिले के 81 मजदूरों को कंपनी ने बाहर का गर्वाना की समस्या उत्पन्न हो गई। इस संबंध में विद्यानी प्रखड सांसद प्रतिनिधि महेन्द्र कुमार यादव ने बताया की वितान 21 अप्रैल को जिला साहिंगंज अंतर्गत निमानण्डीन नेशनल हावड़े संख्या 80 पर ग्राम सुक्सेना स्थित कंपनी के लाईके के अंदर कार्य करने के दौरान प्रखड के चोंगाखार पंचायत के ग्राम चरों निवासी लगभग 30 वर्षीय सुमंत कुमार वर्मा पिता बासुदेव वर्मा की हाईवा की चेपेट में आने से निधन हो गया था जिस पर दुरु व्यक्ति करते हुए उक्त मजदूरों ने मृतक के परिषिनों के साथ लिंगर कंपनी के मुआवजा भूमत के अधिकारी को दिया। यह कायं किल्कुल सौरांड के प्रेम से अनुन्न विनाय के बाद बुमिल से इंचार्ज कुमाल गुप्ता ने मृतक के शव का कैम्प से निकलने के बाद कंपनी के इंचार्ज द्वारा 80 ड्राइवर एवं मजदूर जो जिला गिरिहि से संबंध रखते थे, उन्हें कार्यक्रम के दिया गया और उन्हें घेरे भेजे दिया गया। इस पर सांसद प्रतिनिधि श्री यादव ने कहा कि यह स्वतंत्र होने योग्य कृत्य है मूल अंग्रेज व जर्मनी का काल के तर्ज पर कंपनी के इस कृत्य को भूलाया नहीं जा सकता है। अतः उन 81 द्वावड़ या कंपनी जिन्हें बेवजह मारा मृतक के सहानुभूति के लिए कैम्प से अस्पताल तक खड़ा रहने के एवज में इहें अपनी रोजी-रोटी से बेदखल किया गया है, इसमें उसको का पूरा परिवर्त व क्षेत्र प्रभावित हुआ है। स्थानीय प्रशासन इन मजदूरों के हितों के लिए आवश्यक कदम उठाए।



दुंडी(प्रभात मंत्र संवाददाता) : दुंडी प्रखड विकास परांगीकारी संजीव कुमार के निर्देशानुसार पश्चिमी दुंडी के कंपनी ने जायनकारी के देशी एवं बाहरी विद्यालय के अंदर भवायज कर संवर्जन पेशन योजना के तहत शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जानकारी देते हुए दुंडी प्रखड विकास परांगीकारी संजीव कुमार ने सभी योग्य लाभुको बताया कि सुरु देहों में निवास करने वाले इस योजना का भरपूर लाभ उठायें यह शिविर खासकर बृद्धों, असहायों, दिव्यों जैसे लोगों के लिए आयोजित किया गया है इस शिविर के आयोजन से ग्रामीणों में भारी उत्साह देखीं जा रही है एवं बड़े पैमाने पर



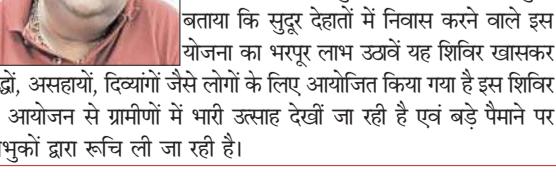
दुंडी(प्रभात मंत्र संवाददाता) : दुंडी प्रखड विकास परांगीकारी संजीव कुमार के निर्देशानुसार पश्चिमी दुंडी के कंपनी ने जायनकारी के देशी एवं बाहरी विद्यालय के अंदर भवायज कर संवर्जन पेशन योजना के तहत शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जानकारी देते हुए दुंडी प्रखड विकास परांगीकारी संजीव कुमार ने सभी योग्य लाभुको बताया कि सुरु देहों में निवास करने वाले इस योजना का भरपूर लाभ उठायें यह शिविर खासकर बृद्धों, असहायों, दिव्यों जैसे लोगों के लिए आयोजित किया गया है इस शिविर के आयोजन से ग्रामीणों में भारी उत्साह देखीं जा रही है एवं बड़े पैमाने पर



दुंडी(प्रभात मंत्र संवाददाता) : दुंडी प्रखड विकास परांगीकारी संजीव कुमार के निर्देशानुसार पश्चिमी दुंडी के कंपनी ने जायनकारी के देशी एवं बाहरी विद्यालय के अंदर भवायज कर संवर्जन पेशन योजना के तहत शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जानकारी देते हुए दुंडी प्रखड विकास परांगीकारी संजीव कुमार ने सभी योग्य लाभुको बताया कि सुरु देहों में निवास करने वाले इस योजना का भरपूर लाभ उठायें यह शिविर खासकर बृद्धों, असहायों, दिव्यों जैसे लोगों के लिए आयोजित किया गया है इस शिविर के आयोजन से ग्रामीणों में भारी उत्साह देखीं जा रही है एवं बड़े पैमाने पर



दुंडी(प्रभात मंत्र संवाददाता) : दुंडी प्रखड विकास परांगीकारी संजीव कुमार के निर्देशानुसार पश्चिमी दुंडी के कंपनी ने जायनकारी के देशी एवं बाहरी विद्यालय के अंदर भवायज कर संवर्जन पेशन योजना के तहत शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जानकारी देते हुए दुंडी प्रखड विकास परांगीकारी संजीव कुमार ने सभी योग्य लाभुको बताया कि सुरु देहों में निवास करने वाले इस योजना का भरपूर लाभ उठायें यह शिविर खासकर बृद्धों, असहायों, दिव्यों जैसे लोगों के लिए आयोजित किया गया है इस शिविर के आयोजन से ग्रामीणों में भारी उत्साह देखीं जा रही है एवं बड़े पैमाने पर



दुंडी(प्रभात मंत्र संवाददाता) : दुंडी प्रखड विकास परांगीकारी संजीव कुमार के निर्देशानुसार पश्चिमी दुंडी के कंपनी ने जायनकारी के देशी एवं बाहरी विद्यालय के अंदर भवायज कर संवर्जन पेशन योजना के तहत शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जानकारी देते हुए दुंडी प्रखड विकास परांगीकारी संजीव कुमार ने सभी योग्य लाभुको बताया कि सुरु देहों में निवास करने वाले इस योजना का भरपूर लाभ उठायें यह शिविर खासकर बृद्धों, असहायों, दिव्यों जैसे लोगों के लिए आयोजित किया गया है इस शिविर के आयोजन से ग्रामीणों में भारी उत्साह देखीं जा रही है एवं बड़े पैमाने पर



दुंडी(प्रभात मंत्र संवाददाता) : दुंडी प्रखड विकास परांगीकारी संजीव कुमार के निर्देशानुसार पश्चिमी दुंडी के कंपनी ने जायनकारी के देशी एवं बाहरी विद्यालय के अंदर भवायज कर संवर्जन पेशन योजना के तहत शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जानकारी देते हुए दुंडी प्रखड विकास परांगीकारी संजीव कुमार ने सभी योग्य लाभुको बताया कि सुरु देहों में निवास करने वाले इस योजना का भरपूर लाभ उठायें यह शिविर खासकर बृद्धों, असहायों, दिव्यों जैसे लोगों के लिए आयोजित किया गया है इस शिविर के आयोजन से ग्रामीणों में भारी उत्साह देखीं जा रही है एवं बड़े पैमाने पर





